(जीवन वृत्त : डॉ. सुरेन्द्र कुमार)

❖ **शिक्षा सम्बन्धी विवरण –**

क्र.	*परीक्षा का नाम*	*महाविद्यालय / विश्वविद्यालय*	*वर्ष*	*प्राप्तांक*	*श्रेणी*	*विशेष*
1.	मध्यमा (हायर सैकेण्डरी)	महाविद्यालय गुरुकुल, झज्जर (हरियाणा)	1962	1202 / 2000 60%	प्रथम	–
2.	आचार्य (विद्यानिधि / इंटरमीडिएट)	महाविद्यालय गुरुकुल, झज्जर (हरियाणा)	1964	621 / 900 69%	प्रथम	–
3.	विद्याभास्कर	महाविद्यालय गुरुकुल, ज्वालापुर, हरिद्वार	1970	542 / 1000 54%	द्वितीय	–
4.	एम. ए. (हिन्दी)	गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार	1972	628 / 850 74%	प्रथम	विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया
5.	एम. ए. (संस्कृत)	पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़	1992	577 / 800 72%	प्रथम	विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त
6.	पीएच. डी.	पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़	1989			
अतिरिक्त परीक्षाएं						
7.	वेदवाचस्पति	महाविद्यालय गुरुकुल, झज्जर	1965	72 / 125 57%	द्वितीय	–
8.	विशारद	पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़	1969	463 / 700 66%	प्रथम	–

❖ **प्राचार्य एवं अध्यापन अनुभव** – दिनांक 16.8.1972 को कालेज ज्वाइन किया। जिसमें ग्रेजुएट, और पोस्ट ग्रेजुएट कक्षाओं के अध्यापन का कुल अनुभव 35 वर्ष रहा और राजकीय महिला महाविद्यालय, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा), राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहड़–कोसली, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सैक्टर 9, गुड़गांव में प्राचार्य के रूप में कार्य किया, और 31.01.2009 को सेवानिवृत्त हुआ।

❖ **शोध निर्देशक** – महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अन्तर्गत तीन पी.एच.डी. छात्रों तथा पांच एम.फिल्. छात्रों के शोध–प्रबन्ध का निर्देशक रहा।

❖ **महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के पाठ्यक्रम में निर्धारित मेरी पुस्तकें –**

	पुस्तक का नाम	**कक्षा**
1.	मनुस्मृति (भाष्य एवं समीक्षा)	शास्त्री प्रथम वर्ष
2.	प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता	शास्त्री प्रथम वर्ष
3.	हिन्दी की चुनी हुई कहानियां	शास्त्री प्रथम वर्ष
4.	आधुनिक हिन्दी कविता	शास्त्री द्वितीय वर्ष
5.	निबन्ध चयनिका	शास्त्री द्वितीय वर्ष
6.	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	शास्त्री तृतीय वर्ष

❖ **मेरे द्वारा लिखित एवं समीक्षा सहित सम्पादित पुस्तकें –**

क्र.	*पुस्तक का नाम*	*प्रकाशक*	*पृष्ठ*	*वर्ष*
1.	**मनुस्मृति** (संपूर्ण शोध संस्करण, भाष्य एवं साहित्यिक मानदण्डों के आधार पर प्रक्षिप्त श्लोकों की समीक्षा सहित) **विशेष कथन** – मराठी में अनुवाद हो चुका है।	आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली दिल्ली–6	1159	पहला संस्करण 1981 छठा संस्करण 2012
2.	**विशुद्ध मनुस्मृति** (प्रक्षिप्त श्लोक रहित संस्करण, भाष्य एवं समीक्षा सहित) **विशेष कथन** – गुजराती, मराठी और उड़िया में अनुवाद हो चुका है।	आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली दिल्ली–6	588	प्रथम संस्करण 1982 छठा संस्करण 2012
3.	वैदिक आख्यानों का वैदिक स्वरूप	सत्यधर्म प्रकाशन नई दिल्ली – 85	232	तृतीय संस्करण 2004
4.	हिन्दी काव्यों में वैदिक आख्यान	श्री घूड़मल प्रह्लाद कुमार न्यास, हिण्डौन		प्रथम संस्करण 2011

5.	महर्षि दयानन्द वर्णित शिक्षा पद्धति	वैदिक अनुसंधान सदन रोहिणी, दिल्ली	364	प्रथम संस्करण 2004
6.	राजर्षि मनु और उनकी मनुस्मृति	गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली	280	प्रथम संस्करण 2009
7.	महर्षि मनु बनाम डॉ. अम्बेडकर	सत्यधर्म प्रकाशन नई दिल्ली – 85	236	प्रथम संस्करण 2007
8.	**मनु का विरोध क्यों ?** **विशेष कथन** – अंग्रेजी, मराठी, उड़िया, गुजराती में अनुवाद हो चुका है।	आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली दिल्ली–6	28	प्रथम संस्करण 1990 तृतीय संस्करण 2013
9.	महर्षि के यजुर्वेद भाष्य में संगति स्थापना	आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली दिल्ली–6	64	प्रथम संस्करण 1981
10.	आर्ष पाठविधि की उपयोगिता और प्रासंगिकता	आर्ष शिक्षा प्रसार, न्यास, आन्ध्रप्रदेश	50	प्रथम संस्करण 2003
11.	ईश्वरोपासना से साधारण जनों को लाभ	सर्वकल्याण धर्मार्थ न्यास, पानीपत (हरियाणा)	40	द्वितीय संस्करण 2008
12.	सत्यार्थप्रकाश (भाष्य तथा 24 से अधिक संस्करणों से तुलनापूर्वक पाठालोचन एवं समीक्षा सहित सम्पादित)	प्रेस में	1155	–
13.	सत्यार्थप्रकाश मीमांसा	प्रेस में	160	–
14.	भारतीय देशभक्तों के कारावास और बलिदान की कहानी (लेखन एवं सम्पादन)	सत्यधर्म प्रकाशन, दिल्ली	632	द्वितीय संस्करण 2006
15.	प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता (समीक्षा सहित सम्पादन)	हरियाणा साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)	80	प्रथम संस्करण 2008
16.	हिन्दी की चुनी हुई कहानियां (समीक्षा	हरियाणा साहित्य	119	प्रथम संस्करण

	सहित सम्पादन)	संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)		2007
17.	आधुनिक हिन्दी कविता (समीक्षा सहित सम्पादन)	हरियाणा साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)	62	प्रथम संस्करण 2008
18.	निबन्ध चयनिका (समीक्षा सहित सम्पादन)	हरियाणा साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)	64	प्रथम संस्करण 2008
19.	छायावादोत्तर हिन्दी कविता (समीक्षा सहित सम्पादन)	हरियाणा साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)	80	प्रथम संस्करण 2009
20.	महर्षि दयानन्द तथा वेदों पर आक्षेपों का उत्तर (लेखन एवं सम्पादन)	आर्य प्रतिनिधि सभा, दयानन्द मठ, रोहतक, हरियाणा	160	प्रथम संस्करण 2005
21.	ऋषि पथ के पथिक राव हरिश्चन्द्र आर्य (अभिनन्दन ग्रन्थ) (लेखन एवं सम्पादन)	आर्योदय, महल कालोनी, नागपुर (महाराष्ट्र)	266	प्रथम संस्करण 2012
23.	गुरुकुल झज्जर के सहयोगी (सम्पादन)	हरियाणा साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)	160	प्रथम संस्करण 2013
24.	सत्यार्थ प्रकाश प्रश्नोत्तरी (सम्पादन)	सत्यधर्म प्रकाशन C/o गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)		प्रथम संस्करण 2014

❖ **शोधपत्र, निबंध, कहानी आदि रचनाएं** – शोध पत्रिकाओं, दैनिक समाचारपत्रों, आर्य पत्रिकाओं तथा अन्य पत्रिकाओं में 200 से अधिक रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं।

❖ **पत्रिकाओं का सम्पादन** – महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के शाखा शिक्षण केन्द्र महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर की पत्रिका **'सुधारक'** का गत 10 वर्षों से सम्पादन।

❖ **शोधगोष्ठियों में शोधपत्रों की प्रस्तुति** –

1. पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ (दयानंद चेयर), प्राच्य विद्या विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक की ओर से आयोजित शोध गोष्ठियों
   में भाग लिया और एक दर्जन से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया।
2. अर्न्तराष्ट्रीय दयानन्द शोधपीठ नई दिल्ली और परोपकारिणी सभा अजमेर (राजस्थान) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वार्षिक **'वैदिक गोष्ठियों'** में 18 शोधपत्र प्रस्तुत कर चुका हूं, जिनमें अधिकांश सभा द्वारा प्रकाशित संकलनों में प्रकाशित हो चुके हैं।

❖ **दूरदर्शन पर प्रसारित वक्तव्य – नेशनल डी.डी., आस्था, आस्था भजन, वैदिक, भारती, साधना, सुदर्शन टी.वी., सर्वधर्म संगम, साधना न्यूज** पर अब तक एक–सौ से अधिक वार्ताएं एवं वक्तव्य प्रसारित हो चुके हैं। कुछ चैनलों पर अब भी प्रसारण जारी है।

❖ **आकाशवाणी पर प्रसारित वक्तव्य –**

1. आकाशवाणी रोहतक से निम्नवर्णित साहित्यिक शोधात्मक वक्तव्य प्रसारित हुए –
   (क) आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास (19 अप्रैल, 2000 को)
   (ख) महान् संस्कारी कवि रामधारी सिंह दिनकर (सितम्बर 2000)
   (ग) प्रकृति के चितेरे महाकवि कालिदास (12 मार्च 2001)
   (घ) चार बेटों का बाप (कहानी, सन् 2001)
2. आकाशवाणी दिल्ली से प्रसारित वार्ता –
   (क) स्वामी दयानन्द सरस्वती (16.2.2012)
   (ख) सत्यपथ के पथिक स्वामी दयानन्द सरस्वती (16.2.2013)
3. आकाशवाणी नजीबाबाद से प्रसारित वक्तव्य स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती (सन् 2014)।

❖ **शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं/संगठनों के प्रशासनिक दायित्व –**

1. दिनांक 18.3.2005 से 17.3.2008 तक गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की सीनेट का सदस्य रहा।
2. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के शाखा शिक्षण केन्द्र महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर (हरियाणा) का गत 6 वर्षों से सेक्रेटरी हूं।
3. महर्षि दयानन्द द्वारा स्थापित 'परोपकारिणी सभा, अजमेर (राजस्थान) का ट्रस्टी तथा पुस्तकालयाध्यक्ष हूं।
4. सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली का अन्तरंग सदस्य एवं पुस्तकालयाध्यक्ष हूँ।
5. दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र (हरियाणा) की संचालन समिति का सदस्य।

6. स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती द्वारा स्थापित गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद (हरियाणा) की संचालन समिति में उपमन्त्री।

7. आर्य प्रतिनिधि सभा, हरियाणा की कार्यकारिणी का अन्तंरग सदस्य।

9. 'आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट' खारी बावली नई दिल्ली का ट्रस्टी।

10. सान्दीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन (भारत सरकार का संस्थान) में कार्यकारिणी का सदस्य।

❖ **सम्मान एवं पुरस्कार** – अब तक विभिन्न संस्थाओं/संगठनों की ओर से एक दर्जन से अधिक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। जिनमें कुछ का नाम इस प्रकार है –

1. ***आर्य लेखक पुरस्कार*** (अमेरिकी–भारतीय संगठन विक्रम प्रतिष्ठान द्वारा प्रदत्त)
2. ***मेघजी भाई साहित्य लेखक पुरस्कार*** (आर्यसमाज सान्ताक्रुज मुम्बई में 1, 2 जुलाई 2000 को प्रदत्त)
3. ***श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान (गुरु सम्मान)*** (दैनिक भास्कर पत्र की ओर से हिन्दी दिवस 2012 के अवसर प्रदत्त)
4. ***वेद–वेदांग पुरस्कार*** (आर्यसमाज भुवनेश्वर, उड़ीसा में 10.1.2010 को प्राप्त)
5. ***वेद–वेदांग पुरस्कार*** (परोपकारिणी सभा, अजमेर, राजस्थान की ओर से नवम्बर 2011 में प्रदत्त)
6. ***उत्तराखण्ड रत्न*** ('आल इंडिया कांफ्रेंस आफ इंटेलक्चुअल्स' नामक बुद्धिजीवियों की संस्था की ओर से दिनांक 20.04.2014 को देहरादून में प्रदत्त किया गया)
7. ***उत्तराखण्ड गौरव सम्मान*** (देव विमल हर्बल हेरिटैज एण्ड एजुकेशनल सोसाइटी, देहरादून की ओर से दिनांक 14.09.2014 को उत्तराखण्ड अलंकरण समारोह में प्रदत्त किया गया)

❖ **मेरे** नाम तथा मेरे शोधनिष्कर्षों को उद्धृत (Quote) करके अथवा उनको आधार मानकर लिखी गई प्रमुख पुस्तकें –

क्र.	*पुस्तक का नाम*	*लेखक*	*प्रकाशक*
1.	**महर्षि दयानन्द सरस्वती विचार कार्य और कृतित्व** (मेरी तीन पुस्तकों को इसमें उदधृत किया है, वे हैं – मनुस्मृति भाष्य, महर्षि दयानन्द वर्णित शिक्षा पद्धति, महर्षि मनु बनाम	राज्य सभा सांसद्, पूर्व कुलपति डॉ. जनार्दन बाघमारे (महाराष्ट्र)	अमन प्रकाशन 1/20, महरौली, नई दिल्ली–30

	डॉ. अम्बेडकर)		
2.	The Constitution and Criminal Justice administration (विशुद्ध मनुस्मृति के उद्धरण दिये हैं)	Dr. Dalbir Bharti I.P.S. Supt. of Police, Jalna (Maharastra)	Published in Mumbai (Maharastra)
3	**वैदिक कथाओं का सच** (वैदिक आख्यानों का वैदिक स्वरूप पुस्तक के उद्धरण दिये हैं)	डॉ. भवानीलाल भारतीय, पूर्व अध्यक्ष दयानन्द चेयर पी. यू. चण्डीगढ़	गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली
4.	मनुस्मृति – परिचय (गुजराती संस्करण)	श्री नाथू भाई डोडिया	वानप्रस्थ आश्रम, आर्यवन, रोजड़ (गुजरात)
5.	**विशुद्ध मनुस्मृति हिन्दी पद्यानुवाद** (मेरी विशुद्ध मनुस्मृति का हिन्दी पद्यानुवाद किया है)	प्रह्लाद कुमार पुजारी आसनसोल (बंगाल)	हनुमान मन्दिर ट्रस्ट आसनसोल (बंगाल)
6.	**मनुस्मृति का मूल्यांकन** (मेरे शोधकार्य के उद्धरण अनेक हैं)	डॉ. उर्मिला रुस्तगी प्राचाय, मिरांडा कालेज, दिल्ली	परिमल प्रकाशन शक्तिनगर, दिल्ली।
7.	**मनु, अम्बेडकर और जाति व्यवस्था** (मेरे प्रक्षिप्तानुसन्धान शोधकार्य पर आधारित लेखन)	प्रो. कृष्णवल्लभ पालीवाल, दिल्ली	हिन्दू चेतना मंच, राजा गार्डन, दिल्ली
8.	**मनुस्मृति में शूद्रसम्मान** (मेरे द्वारा स्थापित मन्तव्यों पर आधारित लेखन)	श्री केदार कौशिक (दिल्ली)	दिल्ली से प्रकाशित
9.	**मनुस्मृति में नारी** (मेरे द्वारा स्थापित मन्तव्यों पर आधारित लेखन)	श्री केदार कौशिक (दिल्ली)	दिल्ली से प्रकाशित
10.	**स्मृति संदेश** (विशुद्ध मनुस्मृति पर आधारित सार लेखन एवं समीक्षा)	डॉ. सोमदेव शास्त्री (मुम्बई)	वैदिक मिशन, जुहू कोलीवाड़ा, मुम्बई
11.	**मनुस्मृति के संदर्भ में**	डॉ. कुशलदेव शास्त्री	आर्य परिवार प्रकाशन

	डॉ. अम्बेडकर (मनु विषयक मान्यताओं के उद्धरण)	(महाराष्ट्र)	समिति कोटा, (राज.)
12.	**आर्य समाज और डॉ. अम्बेडकर** (मनु विषयक मान्यताओं का विवरण)	डॉ. कुशलदेव शास्त्री (महाराष्ट्र)	आर्य परिवार प्रकाशन समिति कोटा, (राज.)

❖ **विशेष कथन** – मनु, मनुस्मृति, जाति और वर्ण व्यवस्था, तथा धर्मशास्त्र पर होने वाला वर्तमान शोधकार्य अथवा पुस्तक–लेखन शायद ही कोई ऐसा होगा जिसमें मनुस्मृति पर किये गए मेरे शोधकार्य का उल्लेख न होता हो।

❖ **मनुस्मृति के प्रक्षेपानुन्धान कार्य पर प्रसिद्ध लेखकों की प्रशंसात्मक टिप्पणियां–**

अनेक पुस्तकों और पत्र–पत्रिकाओं में मनुस्मृति पर किए प्रक्षेपानुसन्धान कार्य और भाष्य की प्रशंसा हुई है। उनमें कुछ इस प्रकार हैं –

1. ***आर्य लेखक कोश*** : डॉ भवानीलाल भारतीय (आर्य जगत् के वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध लेखक और दयानन्द चेयर पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष) द्वारा मेरे शोध कार्य को अपने लेखक कोश में **'अभूतपूर्व'** लिखा है।

2. ***आर्य समाज का इतिहास*** *(सात भागों में)* : डॉ. सत्यकेतु विद्यालंकार (पूर्व कुलपति गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय एवं प्रसिद्ध इतिहासकार) द्वारा लिखित इतिहास में मेरे मनुस्मृति सम्बन्धी शोध कार्य को **'विशेष तर्कपूर्ण शोध कार्य'** और **'आदर्श संस्करण'** घोषित किया है।

3. ***'आर्यजगत् के कालजयी ग्रन्थ'*** *पुस्तक एवं लेख* : डॉ. भवानीलाल भारतीय (आर्यजगत् के वरिष्ठ, प्रसिद्ध लेखक एवं दयानन्द चेयर, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष ने इस पुस्तक में और 'आर्यजगत्' पत्रिका में (11.12.2004) मनुस्मृति पर किये गए मेरे प्रक्षिप्रानुसन्धान कार्य और भाष्य को **कालजयी ग्रन्थों** की श्रेणी में रखा है, और विस्तृत परिचय दिया है।

4. *केरल की पत्रिका* ***'हिरण्या'*** *में समीक्षा* : सम्पादक श्री विवेक डी. शेतोय। केरल से प्रकाशित मलयालम भाषा की मासिक पत्रिका 'हिरण्या' (नवम्बर 2010) में प्रशंसात्मक समीक्षा एवं विस्तृत परिचयात्मक विवरण छह पृष्ठों में छपा है।

5. ***मनुस्मृति*** *(प्राचीन नौ संस्कृत भाष्यों का संकलन एवं हिन्दी भाष्य)* : मिराण्डा कालेज दिल्ली की प्राचार्या डॉ. उर्मिला रुस्तगी और प्रोफेसर श्रीमती सुदेश नारंग द्वारा संकलित–सम्पादित मेधातिथि आदि प्राचीन नौ संस्कृत भाष्यकारों के संकलन में मेरे भाष्य को भी उद्धृत करके मेरे भाष्य को उनकी जैसी उच्च श्रेणी में रखने योग्य माना है।

6. ***'आर्यजगत्'*** *(20 मार्च 2005)* : **'आर्यजगत्'** पत्र के इस अंक में मनुस्मृति पर किये मेरे प्रक्षिप्रानुसन्धान कार्य पर श्री राममेहर एडवोकेट (रोहतक) का समीक्षात्मक लेख छपा है – **'मनुस्मृति पर डॉ. सुरेन्द्र का कालजयी शोधकार्य : जिसने कई इतिहास रचे'** इसमें मेरे कार्य को **'कालजयी'** और **'नया इतिहास रचने वाला'** लिखा है।

7. ***'आर्यजगत्'*** *(18 फरवरी 2004)* : **'आर्यजगत्'** पत्र के इस अंक में मेरे शोधकार्य पर सहयोगी सम्पादक प्रो. जयदेव आर्य (दिल्ली) का समीक्षात्मक लेख छपा है – **'मनुस्मृति पर एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक'**। इसमें मेरे मनुस्मृति पर किये शोधकार्य को **'अभूतपूर्व'** बताया है।

❖ **महर्षि मनु के स्टेच्यू के लिए हाईकोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त किया** – सन् 1990 में राजस्थान उच्च न्यायलय परिसर जयपुर में एक संगठन के प्रयत्नों से विश्व के आदि–कानूनदाता, आदि–धर्मशास्त्रकार महर्षि मनु का स्टेच्यू स्थापित किया गया था। कुछ मनु–विरोधी लोगों ने राजनीतिक दबाव बनाकर उसको वहां से हटवाने की योजना बनाई। अठारह जजों की बैंच ने एक बैठक में उसको हटाने का निर्णय ले लिया। मैंने उसके विरुद्ध कुछ साथियों के सहयोग से रिट डाली। एक वर्ष केस चलने के बाद फुल बैंच में पांच दिन बहस चली और हमें स्टेच्यू को हटाने के विरूद्ध स्थगन आदेश प्राप्त हो गया। वह स्टेच्यू आज भी वहां शोभायमान है।

महर्षिमनु के सम्मान की रक्षा करना जहां प्राचीन भारत के गौरव के लिए अत्यावश्यक है वहां आर्यसमाज और ऋषि दयानन्द की प्रतिष्ठा के लिए परम आवश्यक है, क्योंकि महर्षि दयानन्द ने अपने साहित्य में वेदों के बाद सर्वाधिक महत्व और प्रामाणिकता **'मनुस्मृति'** को दी है। मनु और मनुस्मृति की अवमानना से ऋषि–ग्रन्थों की भी अवमानना होती है। अतः यह संघर्ष महर्षि दयानन्द और आर्यसमाज की प्रतिष्ठा के लिए किया गया है। मुकदमा अभी विचाराधीन है।

❖ **अन्तरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनों में वक्तव्य एवं संयोजन** – वैदिक प्रवक्ता के रूप में अब तक मैं एक दर्जन से अधिक महासम्मेलनों/सम्मेलनों तथा संपूर्ण देश के 60 से अधिक आर्यसमाजों में 1–10 दिवसीय वक्तव्य प्रस्तुत कर चुका हूं। अन्तरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन रोहिणी (2006) में **'शिक्षा सम्मेलन'** का संयोजक, 2012 में **'वेदसम्मेलन'** का संयोजक, मथुरा और रोहतक सम्मेलन में **'वेद सम्मेलन'** का संयोजक रहा और वक्तव्य प्रस्तुत किया।

——— 0 ———